

PRAGATI (प्रो-एक्टवि गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लमिंटेशन)

[स्रोत: लाइवमटि](#)

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के एक हालिया अध्ययन में बुनियादी ढाँचे के विकास में बदलाव हेतु भारत के PRAGATI (प्रो-एक्टवि गवर्नेंस एंड टाइमली इम्प्लमिंटेशन) प्लेटफॉर्म की प्रशंसा की गई है, जिसके माध्यम से 205 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य की 340 बलिबति परियोजनाओं को सफलतापूर्वक गति प्रदान की गई।

■ परिचय:

- यह एक बहुउद्देश्यीय एवं बहु-मॉडल [सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी \(ICT\)](#) प्लेटफॉर्म है जिसे [डिजिटल इंडिया कार्यक्रम](#) के तहत वर्ष 2015 में लॉन्च किया गया था।
- इसका उद्देश्य प्रमुख हतिधारकों के बीच रियल टाइम उपस्थिति एवं आदान-प्रदान के साथ ई-पारदर्शिता तथा ई-जवाबदेहिता में वृद्धि करना है।

■ प्रमुख विशेषताएँ:

- इसके तहत नरिणय लेने की प्रक्रिया को सरल बनाने, लालफीताशाही को कम करने तथा परियोजना की समयसीमा को कम करने के क्रम में प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में डिजिटल डैशबोर्ड तथा वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग समीक्षाओं का उपयोग होता है।
- यह आम आदमी की शिकायतों का समाधान करने तथा भारत सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों एवं परियोजनाओं के साथ-साथ राज्य सरकार द्वारा चिह्नित परियोजनाओं की निगरानी एवं समीक्षा करने पर केंद्रित है।
- इसके तहत [हरति प्रौद्योगिकियाँ](#) एवं [धारणीय प्रथाओं](#) पर बल दिया जाता है।

■ PRAGATI के तहत उल्लेखनीय परियोजनाएँ:

- [चनिब बरजि \(जम्मू और कश्मीर\)](#)
- [बोगीबील बरजि \(असम\)](#)
- [जल जीवन मिशन](#): ग्रामीण नल जल कनेक्शनों को 2019 में 17% से बढ़ाकर 2024 तक 79% करना, जिससे देश भर में जल की पहुंच बढ़ेगी।

और पढ़ें: [IPEF मंत्रसितरीय बैठक 2024](#)